हिंदी 'ब'

Topper's Answer-2018

खण्ड–'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में लिखिए : **9**

हँसी भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। जीवन की सबसे प्यारी और उत्तम से उत्तम वस्तु एक बार हँस लेना तथा शरीर को अच्छा रखने की अच्छी से अच्छी दवा एक बार खिलखिला उठना है। पुराने लोग कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओ। हँसी कितने ही कला–कौशलों से भली है। जितना ही अधिक आनंद से हँसोगे उतनी ही आयु बढ़ेगी। एक यूनानी विद्वान कहता है कि सदा अपने कर्मों पर खीझने वाला हेरीक्लेस बहुत कम जिया, पर प्रसन्न मन डेमाक्रीट्स 109 वर्ष तक जिया। हँसी–खुशी का नाम जीवन है। जो रोते हैं उनका जीवन व्यर्थ है। कवि कहता है—'जिंदगी जिंदादिली का नाम है, मुर्दा दिल क्या खाक जिया करते है।' मनुष्य के शरीर के वर्णन पर एक विलायती विद्वान ने पुस्तक लिखी है। उसमें वह कहता है कि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास–से–उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है। आनंद एक ऐसा प्रबल इंजन है कि उससे शोक और दु:ख की दीवारों को ढा सकते हैं। प्राण रक्षा के लिए सदा सब देशों में उत्तम–से–उत्तम उपाय मनुष्य के चित्त को प्रसन्न रखना है। सुयोग्य वैद्य अपने रोगी के कानों में आनंदरूपी मंत्र सुनाता है।

एक अंग्रेज डॉक्टर कहता है कि किसी नगर में दवाई लदे हुए बीस गधे ले जाने से एक हँसोड़ आदमी को ले जाना अधिक लाभकारी है।

(क) हँसी भीतरी आनंद को कैसे प्रकट करती है? **2**

(ख) पुराने समय में लोगों ने हँसी को महत्त्व क्यों दिया? **2**

(ग) हँसी को एक शक्तिशाली इंजन के समान क्यों कहा गया है? **2**

(घ) हेरीक्लेस और डेमाक्रीट्स के उदाहरण से लेखक क्या स्पष्ट करना चाहता है? **2**

(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। **1**

उत्तर- **(क)** हँसी भीतरी आनंद का बाहरी चिह्न है। जब भी हमारा अन्तरमन खुश होता है, तब हमारे चेहेरे पर एक प्यारी-सी मुसकान खिल उठती है। हँसी हमारे भीतर की प्रसन्नता को प्रत्यक्ष रूप से प्रकट करती है। इस प्रकार हँसी हमारे भीतरी आनंद को सहजता से प्रकट करती है।

(ख) पुराने लोग अर्थात हमारे पूर्वज कह गए हैं कि हँसो और पेट फुलाओ। उनका मानना था कि हँसी सभी कला-कौशलों से भली है। हँसी मे एक उदास-से उदास मनुष्य को प्रफुल्लित करने की शक्ति है। जितना ही अधिक हम हँसेंगे उतनी ही हमारी आयु दीर्घ होगी। हँसी-खुशी का नाम ही जीवन है। इसलिए पुराने लोग हँसी को विशेष महत्व देते थे।

(ग) हँसी अर्थात आनन्द एक ऐसे प्रबल इंजन के समान है जो शोक और दुख की दीवारों को ढा सकने में दक्ष है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उत्तम सुअवसर की हँसी उदास-से उदास मनुष्य के चित्त को प्रफुल्लित कर देती है।

(घ) सदा अपने कर्मों पर खीझने वाला - हरीक्लेस बहुत कम जिया परन्तु अतीव प्रसन्न मन वाला व्यक्ति - डेमाक्रीट्स कुल 109 वर्ष तक जिया। प्रस्तुत उदाहरण से लेखक बताना चाहते हैं कि हम जितना अधिक आनंद से हँसेंगे, जितने प्रसन्न रहेंगे उतनी ही हमारी आयु बढ़ेगी।

(ङ) उत्तर-1 शीर्षक => 'हँसी - खुशी का नाम जीवन है।'

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में लिखिए : **2×3=6**

मैं चला, तुम्हें भी चलना है असि धारों पर
सर काट हथेली पर लेकर बढ़ आओ तो।
इस युग को नूतन स्वर तुमको ही देना है,
अपनी क्षमता को आज जरा अज़माओ तो।
दे रहा चुनौती समय अभी नवयुवकों को
मैं किसी तरह मंज़िल तक पहले पहुँचूँगा।
तुम बना सकोगे भूतल का इतिहास नया,
मैं गिरे-हुए लोगों को गले लगाऊँगा।
क्यों ऊँच-नीच, कुल, जाति रंग का भेद-भाव?
मैं रूढ़िवाद का कल्मष-महत ढहाऊँगा।
जिनका जीवन वसुधा की रक्षा हेतु बना
मरकर भी सदियों तक यों ही वे जीते हैं।
दुनिया को देते हैं यश की रसधार विमल
खुद हँसते-हँसते कालकूट को पीते हैं।
है अगर तुम्हें यह भूख- 'मुझे भी जीना है'
तो आओ मेरे साथ नींव में गड़ जाओ।
ऊपर इसके निर्मित होगा आनंद-महल
मरते-मरते भी दुनिया में कुछ कर जाओ।

(क) कवि को नवयुवकों से क्या-क्या अपेक्षाएँ हैं? **2**

(ख) 'मरकर भी सदियों तक जीना' कैसे संभव है? स्पष्ट कीजिए। **2**

(ग) भाव स्पष्ट कीजिए :
'दुनिया को देते हैं यश की रसधार विमल,
खुद हँसते-हँसते कालकूट को पीते हैं।' **2**

उत्तर- (क) कवि नवयुवकों से अपेक्षा करता है कि वे भी इस युग को नूतन स्वर प्रदान करेंगे, इस भूतल पर नया इतिहास रच सकेंगे। नवयुवक ऊँच-नीच, ~~कुल~~ जाति-रंग का भेदभाव नहीं करेंगे ~~एवं~~ एवं रूढ़िवादों का परिष्कार करेंगे। कवि उनसे अपेक्षा करता है कि वे जग-कल्याण के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने में संकोच न करेंगे।

(ख) जो महापुरुष अपना सारा जीवन विश्व-कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं, अपने तेज से विश्व को आलोकित करते हैं, यहाँ तक कि अपने प्राण अपना सर्वस्व, सब कुछ ~~न्योछावर~~ परहित के लिए न्योछावर कर देते हैं, ~~वह~~ उन्हें सदियों तक याद किया जाता है, वे मरकर भी लोगों की स्मृतियों में जीते हैं। ऐसे ही सज्जनों के समान मरकर भी सदियों तक जीना संभव है।

(ग) यहाँ कवि उन महान लोगों की बात कर रहे हैं जो इस विश्व के ~~लिए~~ कल्याण के लिए ~~स्वयं~~ हर सम्भव प्रयास करते हैं। ऐसे लोग इस जग के हित के लिए श्रेयस्कर कार्य करते हैं, सबकी पीड़ा हरते हैं पर स्वयं के लिए कुछ इच्छा नहीं रखते। वे स्वयं कष्ट सहते हैं, सारी यातनाओं एवं मुसीबतों का सामना करते हैं पर वसुधा पर कोई संकट ~~नहीं~~ नहीं आने देते। वे स्वयं को जलाकर, पूरे विश्व में रोशनी फैलाते हैं।

खण्ड–'ख'

3. शब्द पद कब बन जाता है? उदाहरण देकर तर्कसंगत उत्तर दीजिए। **2**

उत्तर– जब शब्द विभक्तियों से युक्त होकर वाक्य में प्रयोग किया जाता है तब वह पद कहलाता है। पद भाषा की बद्ध इकाई है जो कोश में नहीं होती।
उदाहरण – 'लड़का' यह एक शब्द है।
– 'लड़का खेल रहा है।' इस वाक्य में शब्द (लड़का) को वाक्य में प्रयोग होने के कारण, वह पद कहलाता है।

4. नीचे लिखे वाक्यों का निर्देशानुसार रूपांतरण कीजिए : **1 × 3 = 3**

(क) जापान में चाय पीने की एक विधि है जिसे 'चा–नो–यू' कहते हैं। (सरल वाक्य में)

(ख) तताँरा को देखते ही वामीरो फूट–फूट कर रोने लगी। (मिश्र वाक्य में)

(ग) तताँरा की व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढ़ने में व्यस्त थीं। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर– **(क)** जापान की में चाय पीने की एक विधि को चा-नो-यू कहते हैं।

(ख) जब वामीरो ने तताँरा को देखा तब वह फूट-फूट कर रोने लगी।

(ग) तताँरा की आँखें व्याकुल थी और वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थी।

5. (क) निम्नलिखित शब्दों का सामासिक पद बनाकर समास के भेद का नाम भी लिखिए : **1 × 2 = 2**

जन का आंदोलन, नीला है जो कमल

(ख) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह करके समास के भेद का नाम लिखिए **1 × 2 = 2**

नवनिधि, यथासमय

उत्तर– **(क)**

प्रश्न-5 (क) सामासिक पद	विग्रह	समास का नाम
जनांदोलन	जन का आंदोलन	तत्पुरुष समास
नीलकमल	नीला है जो कमल	कर्मधारय समास

(ख)

सामासिक पद	विग्रह	समास का नाम
नवनिधि	नौ निधियों का समाहार	द्विगु समास
यथासमय	समय के अनुसार (उचित समय)	अव्ययीभाव समास

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए— **1 × 4 = 4**

(क) वह गुनगुने गर्म पानी से स्नान करता है। **(ख)** माताजी बाज़ार गए हैं।

(ग) अपराधी को मृत्युदंड की सजा मिलनी चाहिए। **(घ)** मैं मेरा काम कर लूँगा।

उत्तर– **(क)** वह गुनगुने पानी से स्नान करता है।

(ख) माताजी बाज़ार गई हैं।

(ग) अपराधी को मृत्युदण्ड मिलना चाहिए।

(घ) मैं अपना काम कर लूँगा।

7. निम्नलिखित मुहावरों का प्रयोग इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए : **2**

मौत सिर पर होना, चेहरा मुरझा जाना

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

उत्तर- मौत सिर पर होना : जान खतरे में होना।
राजू के सामने जंगल में सहसा एक साँप आ गया है उसे प्रतीत हुआ कि मौत उसके सिर पर है।

चेहरा मुरझा जाना : निराश व उदास होना
यह ज्ञात होने पर कि वह परीक्षा में फेल हो गया है, उसका चेहरा मुरझा गया और वह रोने लगा।

खण्ड-'ग'

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में लिखिए :

(क) तताँरा-वामीरो कथा के आधार पर प्रतिपादित कीजिए कि रूढ़ियाँ बंधन बनने लगें तो उन्हें टूट जाना चाहिए। **2**

(ख) हमारी फिल्मों में त्रासद स्थितियों का चित्रांकन 'ग्लोरीफाई' क्यों कर दिया जाता है? 'तीसरी कसम' के शिल्पकार शैलेन्द्र के आधार पर उत्तर दीजिए। **2**

(ग) 'गिरगिट' पाठ में चौराहे पर खड़ा व्यक्ति जोर-जोर से क्यों चिल्ला रहा था? **1**

उत्तर- **(क)** हाँ, यह कथन उचित है। अगर रूढ़ियाँ अर्थात् परंपराएँ बोझ या बंधन बनने लगे तो उनका टूट जाना ही श्रेयस्कर है। समय के साथ परिवर्तन आवश्यक है। जो प्रथाएँ उन्नति में बाधा बनती हैं उनका त्याग करना समाज के हित में है। जिस प्रकार तताँरा-वामीरो कथा में उन दो युगल की मृत्यु एक कुप्रथा के कारण हुई। ऐसी रूढ़ियाँ का टूटना सुखद परिणाम के लिए होता है।

(ख) आज कल की फिल्मों में त्रासद स्थितियों का चित्रांकन 'ग्लोरिफाई' किया जाता है। दुख का ऐसा विभत्स रूप दिखाया जाता है जो असल-ज़िंदगी से परे होता है ऐसे दर्शकों का भावुक रूप से शोषण होता है। 'ग्लोरिफाई' करने का मुख्य कारण ज़्यादा लोगों को फिल्म देखने के लिए आकर्षित करना होता है ताकि ज़्यादा कमाई हो सके। ऐसी फिल्में असल ज़िंदगी से कोसो दूर होती हैं।

(ग) ख्यूक्रिन वह व्यक्ति था जो चौराहे पर खड़ा होकर ज़ोर-ज़ोर से चिल्ला रहा था। वह यह दावा कर रहा था कि एक पिल्ले ने उसकी अँगुली काट खाई है जिसके कारण वह एक सप्ताह तक काम नहीं कर पाएगा एवं कुत्ते के मालिक से हर्जाने की माँग कर रहा था। वह भीड़ इकट्ठा करने के लिए ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाने लगा।

9. 'बड़े भाई साहब' कहानी के आधार पर लगभग 100 शब्दों में लिखिए कि लेखक ने समूची शिक्षा प्रणाली के किन पहलुओं पर व्यंग्य किया है? आपके विचारों से इसका क्या समाधान हो सकता है। तर्कपूर्ण उत्तर लिखिए। **5**

अथवा

'अब कहाँ दूसरों के दु:ख से दु:खी होने वाले' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि बढ़ती हुई आबादी का पशुपक्षियों और मनुष्यों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? इसका समाधान क्या हो सकता है? उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

उत्तर- अब कहाँ दूसरे के दुख - - - -

बढ़ती हुई आबादी के साथ-साथ मनुष्यों की इच्छाएँ एवं आवश्यकताएँ भी बढ़ती जा रही हैं। अपने आवास बनाने के लिए उसने पेड़ों को काटना शुरु कर दिया है। घने जंगलों के स्थान पर अब ऊँची-ऊँची इमारतें होती हैं। इतना ही नहीं उसने समुद्र को भी पीछे ढकेल उसकी भी ज़मीन हड़पने की चेष्टा की है।

प्रदूषण एवं बारूद की लीलाओं ने अनगिनत रोगों को जन्म दिया है जिससे आज मनुष्य जूझ रहे हैं। पक्षियों से उनके घर छीने गए हैं जिस कारण वे यहाँ वहाँ भटकते रहते हैं। मानव ने इतने आविष्कार किए पर वह प्रकृति का आदर-सत्कार करना भूल गया।

इन कुकर्मों का कुपरिणाम यह है कि आज प्रकृति का संतुलन बिगड़ गया है। गर्मी में बहुत गर्मी, बिन मौसम की बरसात, ज़लज़ले, सैलाब आदि आते हैं। पर अभी भी समय है।(देर सही अँधेर नहीं!) मानव को अब यह समझना होगा कि यह वसुधा केवल उसकी जागीर नहीं है, पृथ्वी पर बाकी पशु-पक्षी एवं अन्य प्राणियों का उतना ही अधिकार है जितना मानव का। इसका समाधान है वृक्षारोपण। यह सबसे सरल एवं प्रभावशाली उपाय है जिससे प्रकृति का संतुलन पुनः ठीक हो जाएगा। प्लास्टिकादि के प्रयोग के स्थान पर कपड़े के थैलों का प्रयोग करना, प्रदूषण करने वाले पदार्थों का उपयोग कम-से-कम करना। हमारी वसुधा को स्वच्छ एवं संतुलित करने का बीड़ा अब हमें ही उठाना है!

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 20-30 शब्दों में लिखिए :

(क) महादेवी वर्मा की कविता में 'दीपक' और 'प्रियतम' किनके प्रतीक हैं? **2**

(ख) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता के आधार पर पर्वत के रूप-स्वरूप का चित्रण कीजिए। **2**

(ग) बिहारी ने 'जगतु तपोवन सौ कियौ' क्यों कहा है? **1**

उत्तर- (क) 'दीपक' कवयित्री के मन की आस्था का प्रतीक है और 'प्रियतम' कवयित्री के आराध्य परमात्मा का प्रतीक है। कवयित्री अपने आस्था रूपी दीपक को सदैव प्रज्वलित रहने को कह रही है ताकि परमात्मा अर्थात प्रियतम के समीप जाने का पथ हमेशा आलोकित रहे। 2

(ख) मेखलाकार पर्वत अर्थात पर्वत करधनी के आकार का है जिसके चरणों में एक पारदर्शी दर्पण रूपी ताल है। पर्वत अपना महाकार प्रतिबिम्ब ताल में अपने सहस्र दृग रूपी सुमनों से निहारकर अचम्भित हो रहा है। मोती की मालाओं के समान सुंदर झरने कल-कल की ध्वनि कर पर्वत के गुणगान गाते हुए प्रतीत होते हैं। वर्षा होने पर पर्वत बादलों से घिर जाता है तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे पंख लगाकर उड़ गया हो, शाल के वृक्ष जमीन में धँसे से प्रतीत होते हैं। पर्वत प्रदेश में पावस ऋतु का दृश्य अत्यंत रमणीय होता है।

(ग) तपोवन अर्थात जहाँ तपस्वी तपस्या करते हैं। बिहारी जी ने इस जगत को तपोवन कहा है क्योंकि इस जग में अतीव गर्मी के कारण दुश्मन भी एक साथ रह कर इस गर्मी से अपनी रक्षा करने के लिए प्रयासरत हैं। यहाँ भी प्राणी गर्मी से बचने के लिए कठोर तपस्या कर रहे हैं इसलिए यह जगत एक तपोवन है।

11. 'कर चले हम फिदा' अथवा 'मनुष्यता' कविता का प्रतिपाद्य लगभग 100 शब्दों में लिखिए। **5**

उत्तर- 1-9 मनुष्यता का प्रतिपाद्य।

मनुष्यता!

मनुष्यता अर्थात वह गुण जो एक मानव को सच्चा मनुष्य बनाते हैं। कवि इस कविता के द्वारा एक सच्चे मनुष्य के गुणों का उल्लेख कर रहा है। उसके अनुसार एक सच्चा मनुष्य वही है जो आत्मकेंद्रित न होकर परहित का कल्याण करे। जो लोग स्वार्थी हैं, केवल अपना हित चाहते हैं उनमें मनुष्यता जैसी पवित्र भावना का अंश नहीं है। कवि ने राजा रंतिदेव, दधीचि, राजा उशीनर एवं

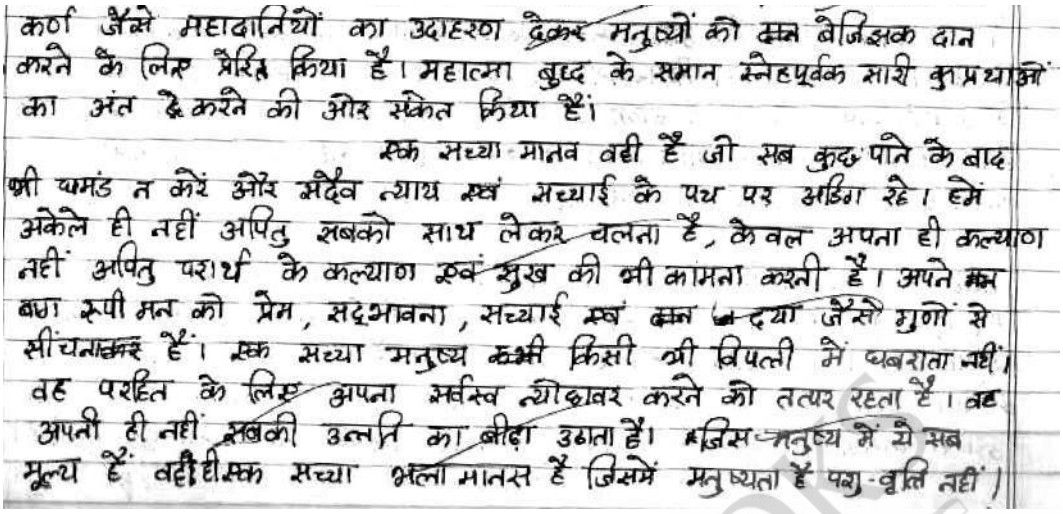

कर्ण जैसे महादानियों का उदाहरण देकर मनुष्यों को बेझिझक दान करने के लिए प्रेरित किया है। महात्मा बुद्ध के समान स्नेहपूर्वक सारी कुप्रथाओं का अंत करने की ओर संकेत किया है।

एक सच्चा मानव वही है जो सब कुछ पाने के बाद भी घमंड न करें और सदैव न्याय एवं सच्चाई के पथ पर अडिग रहे। हमें अकेले ही नहीं अपितु सबको साथ लेकर चलना है, केवल अपना ही कल्याण नहीं अपितु परार्थ के कल्याण एवं सुख की भी कामना करनी है। अपने बाग रूपी मन को प्रेम, सद्भावना, सच्चाई एवं दया जैसे गुणों से सींचना है। एक सच्चा मनुष्य किसी भी विपत्ति में घबराता नहीं। वह परहित के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने को तत्पर रहता है। वह अपनी ही नहीं सबकी उन्नति का बीड़ा उठाता है। जिस मनुष्य में ये सब मूल्य हैं वही एक सच्चा भला मानस है जिसमें मनुष्यता है पशु-वृत्ति नहीं।

12. इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला की मित्रता भारतीय समाज के लिए किस प्रकार प्रेरक है? जीवन-मूल्यों की दृष्टि से लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। **5**

अथवा

'हरिहर काका' कहानी के आधार पर बताइए कि एक महंत से समाज की क्या अपेक्षा होती है। उक्त कहानी में महंतों की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए। उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए।

उत्तर-

इफ़्फ़न और टोपी शुक्ला - - - -

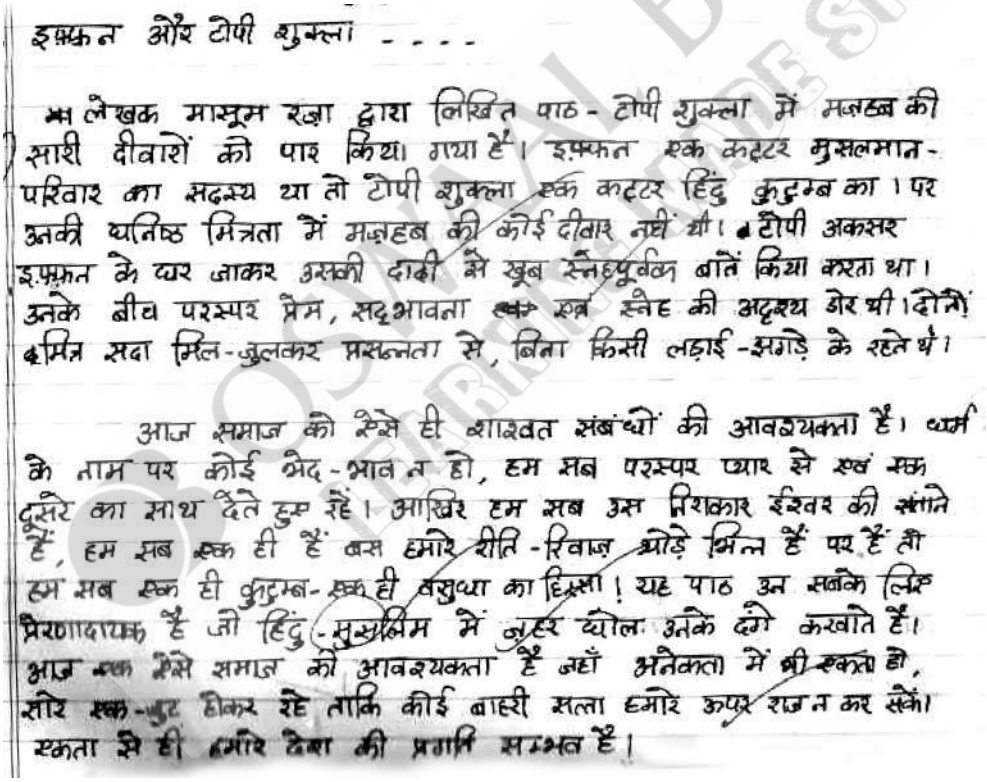

लेखक मासूम रज़ा द्वारा लिखित पाठ - टोपी शुक्ला में मज़हब की सारी दीवारों को पार किया गया है। इफ्फन एक कट्टर मुसलमान-परिवार का सदस्य था तो टोपी शुक्ला एक कट्टर हिंदु कुटुम्ब का। पर उनकी घनिष्ठ मित्रता में मज़हब की कोई दीवार नहीं थी। टोपी अकसर इफ़्फ़न के घर जाकर उसकी दादी से खूब स्नेहपूर्वक बातें किया करता था। उनके बीच परस्पर प्रेम, सद्भावना एवं स्नेह की अदृश्य डोर थी। दोनों मित्र सदा मिल-जुलकर प्रसन्नता से, बिना किसी लड़ाई-झगड़े के रहते थे।

आज समाज को ऐसे ही शाश्वत संबंधों की आवश्यकता है। धर्म के नाम पर कोई भेद-भाव न हो, हम सब परस्पर प्यार से एवं एक दूसरे का साथ देते हुए रहें। आखिर हम सब उस निराकार ईश्वर की संताने हैं, हम सब एक ही हैं बस हमारे रीति-रिवाज़ थोड़े भिन्न हैं पर हैं तो हम सब एक ही कुटुम्ब- एक ही वसुधा का हिस्सा! यह पाठ उन सबके लिए प्रेरणादायक है जो हिंदु-मुस्लिम में ज़हर घोल उनके दंगे करवाते हैं। आज एक ऐसे समाज की आवश्यकता है जहाँ अनेकता में एकता हो, सारे एक-जुट होकर रहें ताकि कोई बाहरी सत्ता हमारे ऊपर राज न कर सके। एकता से ही हमारे देश की प्रगति सम्भव है।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

खण्ड-'घ'

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों का अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) भारतीय किसान के कष्ट
- अन्नदाता की कठिनाइयाँ
- कठोर दिनचर्या
- सुधार के उपाय

(ख) स्वच्छता आंदोलन
- क्यों
- बदलाव
- हमारा उत्तरदायित्व

(ग) मन के हारे हार है मन के जीते जीत
- निराशा अभिशाप
- दृष्टिकोण परिवर्तन
- सकारात्मक सोच

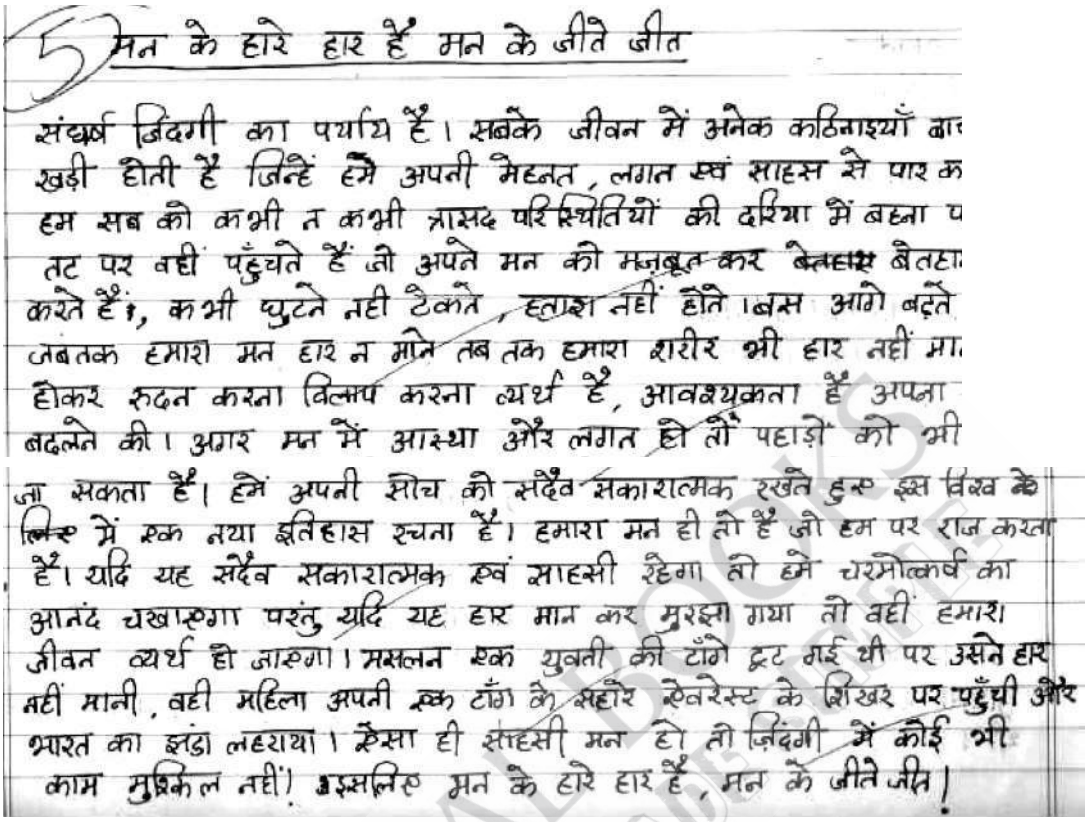

उत्तर- (ग) 5 मन के हारे हार हैं मन के जीते जीत

संघर्ष ज़िंदगी का पर्याय है। सबके जीवन में अनेक कठिनाइयाँ बा
खड़ी होती हैं जिन्हें हमें अपनी मेहनत, लगन एवं साहस से पार क
हम सब को कभी न कभी त्रासद परिस्थितियों की दरिया में बहना प
तट पर वही पहुँचते हैं जो अपने मन को मज़बूत कर ~~बेतहा~~ बेतहा
करते हैं, कभी घुटने नही टेकते, हताश नहीं होते। बस आगे बढ़ते
जबतक हमारा मन हार न माने तब तक हमारा शरीर भी हार नहीं मा
होकर रुदन करना विलाप करना व्यर्थ है, आवश्यकता है अपना
बदलने की। अगर मन में आस्था और लगन हो तो पहाड़ों को भी
जा सकता है। हमें अपनी सोच को सदैव सकारात्मक रखते हुए इस विश्व ~~के~~
~~लिए~~ में एक नया इतिहास रचना है। हमारा मन ही तो है जो हम पर राज करता
है। यदि यह सदैव सकारात्मक एवं साहसी रहेगा तो हमें चरमोत्कर्ष का
आनंद चखाएगा परंतु यदि यह हार मान कर मुरझा गया तो वही हमारा
जीवन व्यर्थ हो जाएगा। मसलन एक युवती की टाँगे टूट गई थी पर उसने हार
नहीं मानी, वही महिला अपनी एक टाँग के सहारे एवरेस्ट के शिखर पर पहुँची और
भारत का झंडा लहराया। ऐसा ही साहसी मन हो तो ज़िंदगी में कोई भी
काम मुश्किल नहीं! इसलिए मन के हारे हार है, मन के जीते जीत!

14. बस में छूट गए सामान को आपके घर तक सुरक्षित रूप से पहुँचाने वाले बस कंडक्टर की प्रशंसा करते हुए उसे पुरस्कृत करने के लिए परिवहन अध्यक्ष को एक पत्र लगभग 100 शब्दों में लिखिए। **5**

अथवा

अपने बैंक के प्रबंधक को पत्र लिखकर अपने आधार कार्ड को बैंक खाते से जोड़ने का अनुरोध कीजिए।

उत्तर- बस में छूट गए सामान - - - - -

परीक्षा भवन
क. ख. ग. विद्यालय
रोहिणी दिल्ली
दिनांक - 6 मार्च 2018

सेवा में
श्रीमान परिवहन अध्यक्ष
दिल्ली परिवहन निगम
रोहिणी दिल्ली

विषय: बस कंडक्टर का धन्यवाद एवं पुरस्कृत करने हेतु।

महोदय
सविनय निवेदन यह है कि मैं रोहिणी क्षेत्र की निवासी हूँ। गत सोमवार
को पिछले सप्ताह मैं बस में सफर कर रही थी। मैं बस से उतरते समय
अपना पर्स बस में ही भूल गई थी जिसमें 5000₹ एवं अन्य मूल्यवान वस्तुएँ (मोबाइल)
थी।

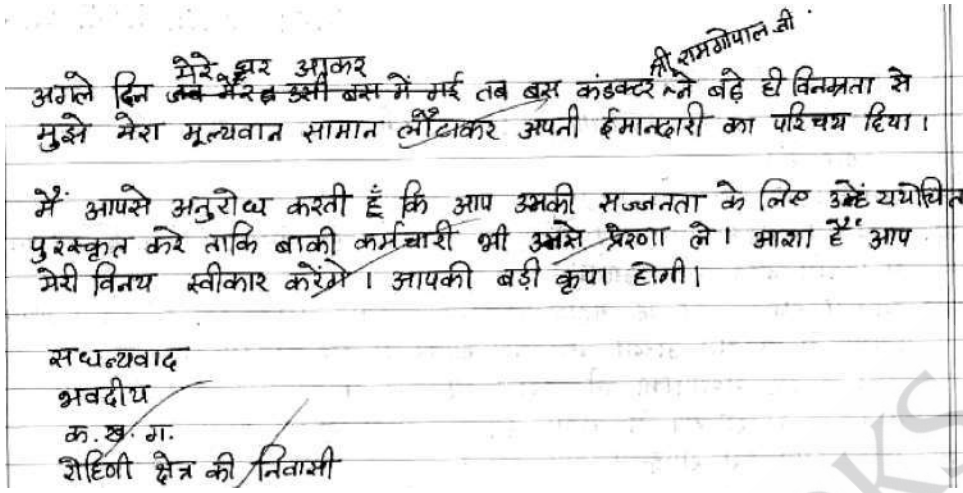

अगले दिन मेरे घर आकर ~~जब मैं उसी बस में गई तब~~ बस कंडक्टर श्री रामगोपाल जी ने बड़े ही विनम्रता से मुझे मेरा मूल्यवान सामान लौटाकर अपनी ईमानदारी का परिचय दिया।

मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि आप उनकी सज्जनता के लिए उन्हें यथोचित पुरस्कृत करें ताकि बाकी कर्मचारी भी उनसे प्रेरणा लें। आशा है आप मेरी विनय स्वीकार करेंगे। आपकी बड़ी कृपा होगी।

सधन्यवाद
भवदीय
क.ख.ग.
रोहिणी क्षेत्र की निवासी

15. आप हिन्दी छात्र परिषद् के सचिव प्रगण्य हैं। आगामी सांस्कृतिक संध्या के बारे में अनुभागीय दीवार पट्टिका के लिए 25-30 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए। **5**

अथवा

विद्यालय की सांस्कृतिक संस्था 'रंगमंच' की सचिव लतिका की ओर से 'स्वरपरीक्षा' के लिए इच्छुक विद्यार्थियों को यथासमय उपस्थित रहने की सूचना लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। समय और स्थान का उल्लेख भी कीजिए।

उत्तर–

क. ख. ग. विद्यालय, रोहिणी दिल्ली

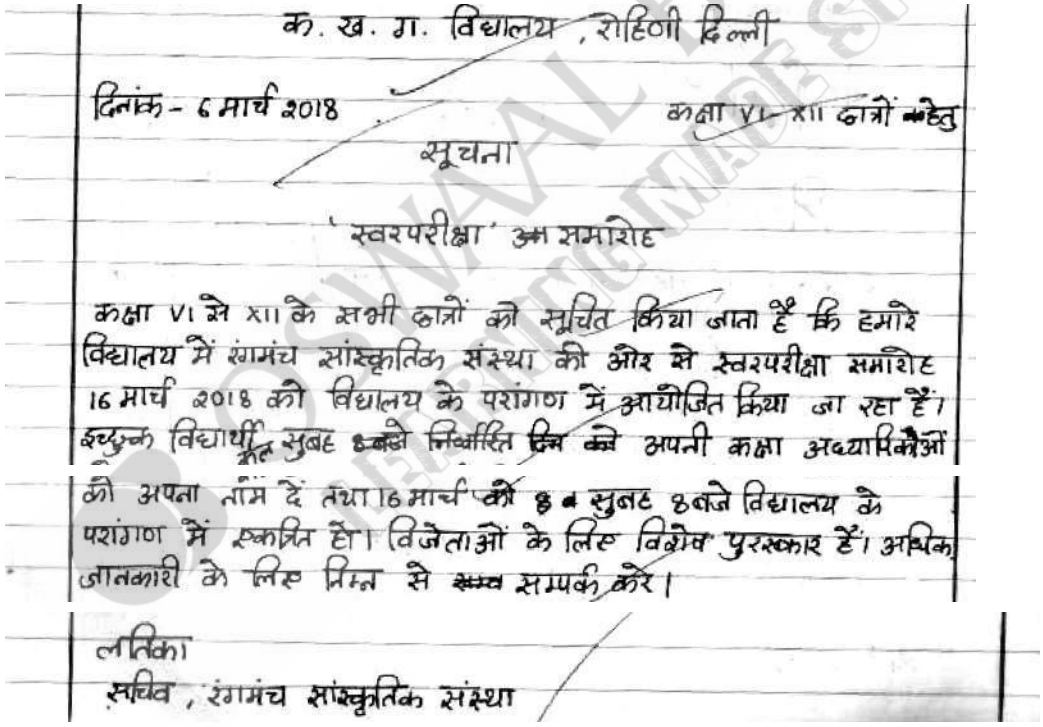

दिनांक - 6 मार्च 2018 कक्षा VI-XII छात्रों हेतु

सूचना

'स्वरपरीक्षा' ~~का~~ समारोह

कक्षा VI से XII के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि हमारे विद्यालय में रंगमंच सांस्कृतिक संस्था की ओर से स्वरपरीक्षा समारोह 16 मार्च 2018 को विद्यालय के परांगण में आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक विद्यार्थी सुबह 8 बजे निर्धारित दिन को अपनी कक्षा अध्यापिकाओं को अपना नाम दें तथा 16 मार्च को सुबह 8 बजे विद्यालय के परांगण में एकत्रित हों। विजेताओं के लिए विशेष पुरस्कार हैं। अधिक जानकारी के लिए निम्न से सम्पर्क करें।

लतिका
सचिव, रंगमंच सांस्कृतिक संस्था

16. विद्यालय में मोबाइल फोन के प्रयोग पर अध्यापक और अभिभावक के बीच लगभग 50 शब्दों में संवाद लिखिए। **5**

अथवा

स्वच्छता अभियान की सफलता के बारे में दो मित्रों के संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

उत्तर– विद्यालय में मोबाइल ---

अभिभावक (राहुल विद्यार्थी के पिता) उसकी कक्षा अध्यापिका से मिलने आते हैं।

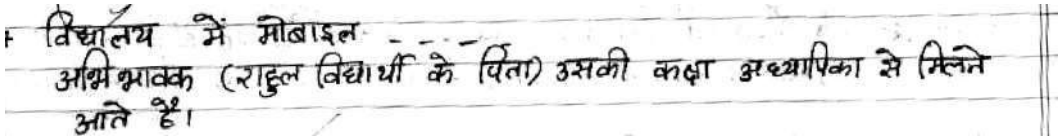

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

अध्यापिका: नमस्कारजी (हाथ जोड़कर)
अभिभावक: नमस्कार अध्यापिका जी! मैं राहुल का पिता हूँ और उसकी पढ़ाई के विषय में आपसे बात करने आया हूँ।
अध्यापिका: (मायूस होकर) जी वह पढ़ाई पर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहा हैं। उसका वार्षिक परीक्षा में प्रदर्शन अच्छा नहीं था। आखिर वह घर पर क्या करता है?
अभिभावक: क्या बताऊँ अध्यापिका जी, हरदम मोबाइल में ही लगा रहता है। कभी फेसबुक, वॉट्स एप तो कभी विडियो-गेम्स खेलता रहता है।
अध्यापिका: फिर आप उसे समझाते क्यों नहीं?
अभिभावक: बहुत समझाया अध्यापिका जी, पर वह तो उल्टा मुझे ही कोसता है। कहता है कि "आप भी तो मोबाइल का प्रयोग करते हैं, मैं भी करूँगा।"
अध्यापिका: इसका एक ही उपाय है। आप राहुल के सामने मोबाइल का उपयोग न करें। उसको प्यार से समझाइए कि जो कुछ आप कह रहे हैं वह उसके भले के लिए है। केवल आधे 10-15 मिनट के लिए उसे मोबाइल दीजिए, फिर ले लीजिए। तभी वह अनुशासित हो पाएगा।
अभिभावक: आप सही फरमाती हैं अध्यापिका जी! मैं ऐसा ही करूँगा। धन्यवाद!

अभिभावक अपने घर चले जाते हैं।

17. अपने विद्यालय की संस्था 'पहरेदार' की ओर से जल का दुरुपयोग रोकने का आग्रह करते हुए लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए। **5**

अथवा

विद्यालय की कलाविथि में कुछ चित्र (पेंटिंग्स) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसके लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

उत्तर–

रंगों की दुनिया में स्वागत है आपका . . .

विलक्षण चित्र प्रदर्शनी

स्थान: केशव महाविद्यालय, कनॉट प्लेस दिल्ली

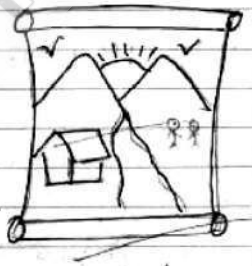

छात्रों की विलक्षण प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन!
आईए आईए उनका मनोबल बढ़ाइए
अपने सदन को विशेष चित्रकला से अलंकृत कीजिए

16 मार्च 2018 (सुबह 9 बजे से सायं 7 बजे तक)

पहले 7 ग्राहकों के लिए 25% छूट

₹1000 से शुरू . . . .

मो: 9512010152

शर्तें लागू

❑❑❑

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE